विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110 002

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADUR SHAH ZAFAR MARG,
NEW DELHI-110 002
OFF. : (011) 23234019
: (011) 23236350
FAX : (011) 23239659
E-mail : cm@ugc.ac.in

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

प्रो॰ वेद प्रकाश
उपाध्यक्ष

Prof. Ved Prakash
Vice-Chairman

अर्धशासी पत्र मि. सं. 194–1/2009 (आई. सी.) 11 फरवरी, 2013

प्रिय कुलपति/निदेशक महोदय,

जैसा कि आपको विदित है, भारत सरकार एवं संयुक्त राज्य अमेरिका ने सिंघ–ओबामा 21वीं शताब्दी में ज्ञान समारंभ **Singh-Obama 21st Century Knowledge Initiative** नाम से एक संयुक्त नवप्रवर्तन की पहल की है। इस नवप्रवर्तन का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में दोनों देशों के शैक्षिक संस्थानो के मध्य भागीदीरी को सुदृढ़ करना है। इस नवप्रर्वतन के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु बहुत सी योजनाओं का रूपांकन किया जा रहा है। इन रूपाकित योजनाओं में से एक योजना यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुच्छेद 12–बी के अंतर्गत मान्यताप्राप्त संस्थानों तथा राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से ऊर्जा अध्ययन, धारित विकास, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय अध्ययन, शिक्षा एवं शैक्षिक सुधार एवं सामुदायिक विकास एवं नवप्रर्वतन से संबंधित क्षेत्रों में वित्तीय सहायता हेतु परियोजना प्रस्तावों को आमंत्रित करना था। तदनुसार, आयोग ने दिसम्बर, 2012 में संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये तथा उन प्रस्तावों की प्राप्ति की अंतिम तिथि 20 जनवरी, 2013 निश्चित की गई। तथापि, विभिन्न संस्थानों से और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक प्रस्तावों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से आयोग ने ऐसे प्रस्तावों को प्रस्तुत करने की समय सीमा 15 मार्च, 2013 तक विस्तारित कर दी है। इस परियोजना के अन्य विवरण वैब साइट **http://www.ugc.ac.in/pdfnews/9807232_proposalusindiaic.pdf** से प्राप्त किये जा सकते हैं।

मै, आपको यह पत्र इस नई पहल के बारे में अवगत कराने के उद्देश्य से लिख रहा हूँ। अतः मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस संबंध में आप व्यक्तिगत रूप से पहल करें। साथ ही यह भी अनुरोध है कि उपरोक्त ज्ञान क्षेत्रों में शोध परियोजनाएँ विकसित करने हेतु अपने सहकर्मियों से इस मुक्त प्रतियोगिता में भागीदारी करने को कहें तथा इस विशिष्ट परियोजना का लाभ उठाने का सुझाव दें। यह परियोजना, आपके संस्थान द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ न केवल सहभागिता विनिर्मित करने में सहायक होगी, अपितु आपके विश्वविद्यालय में शोध कार्य की प्रोन्नति हेतु अतिरिक्त तात्विक संसाधन भी उपलब्ध करायेगी।

कृपया, आप इन प्रस्तावों को विकसित करने की दिशा में अपने सहकर्मियों को प्रेरित करें तथा उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर आयोग को अग्रेषित करें।

मैं, आपके सक्रिय समर्थन की आशा करता हूँ।

सादर।

भवदीय,

(वेद प्रकाश)

प्रतिलिपि प्रेषितः

1. अनुच्छेद 12 बी के अंतर्गत मान्यताप्राप्त समस्त संस्थानों के कुलपति
2. राष्ट्रीय महत्व के समस्त संस्थान